

## By '20, Army to get mid-range missiles

**New Delhi, Aug. 27:** After years of wait, the Indian Army will finally get an advanced medium-range surface to air missile (MRSAM) system by 2020 which will be able to shoot down ballistic missiles, fighter jets and attack helicopters from a range of around 70 kilometres.

The missile system will be produced by premier defence research organisation DRDO in collaboration with the Israel Aerospace Industries (IAI), a senior army official said.

The MRSAM system will be capable of shooting down enemy ballistic missiles, aircraft, helicopters, drones, surveillance aircraft and AWACS

(Airborne Warning and Control Systems) aircraft, added the official. The current version of MRSAM is operational with the Indian Air Force and the Navy.

The Defence Research and Development Organisation (DRDO) has signed a ₹17,000 crore deal with the IAI for the ambitious project. The MR-SAM, a land-based version of the long-range surface-to-air missile (LRSAM) for the Navy, will have a strike range of up to 70 km, the official said. The deal envisages 40 firing units and around 200 missiles.

"The MRSAM for Army's Air Defence is an advanced all weather, 360

degree mobile land based theatre air defence system capable of providing air defence to critical areas against a wide variety of threats in a combat zone," the official said.

The first set of missile system will be ready in the next three years, he added.

The Army has been pressing the government to enhance its aerial attack capability considering the evolving security challenges. In May, it successfully test fired an advanced version of the Brahmos land-attack cruise missile in the Andaman and Nicobar Islands.

— PTI

## योग से जवानों को स्वस्थ रखने की कवायद

जैसलमेर, (विमल भाटिया): विषम परिस्थितियों में सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों में कार्य क्षमता बढ़ाने और बीमारियों से मुक्त रखने के लिए डीआरडीओ की ओर से खास योग मॉड्यूल तैयार किया गया है। पहली जैसलमेर में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर इसका रिसर्च किया जा रहा है।

डीआरडीओ डिपास के चीफ कोर्डिनेटर वैज्ञानिक मान्टू शाह ने बताया कि एक ब्रान्च डिपास के डायरेक्टर डॉ. भुवनेश कुमार के निर्देशन में जवानों को योग-प्राणायाम के विशेष मॉड्यूल का वैज्ञानिक ढंग से उपयोग किया जा रहा है। लेह-लद्दाख और सियाचिन में इसके अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। अब तक सेना, वायुसेना और नेवी में यह मॉड्यूल चल रहा था, अब इसे बीएसएफ में भी लागू करने की तैयारी की जा रही है। जैसलमेर में जवानों पर एक महीने के लिए रिसर्च शुरू किया गया है। डीआरडीओ के मनीष दारमोरा ने बताया कि जैसलमेर में तैनात 100 जवानों पर इसका रिसर्च किया जा रहा है। करीब इसमें जवानों के गर्मी में ड्यूटी के दौरान शरीर के तापमान



जवानों पर परीक्षण के तौर पर कराया जा रहा योग। (छाया : पंजाब केसरी)

को कम करना, मानसिक तनाव को कम करना, बीपी हार्ट नॉर्मल करने और डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए कई मॉड्यूल करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा ऐसे कई योग प्राणायाम वैज्ञानिक ढंग से करवाए जा रहे हैं जिनमें गर्मी के दौरान न तो बार-बार प्यास लगेगी और न ही हीट स्ट्रोक की समस्या से रू-ब-रू होना पड़ेगा।

### कपालभाति, सूर्यबेदी, योगनिद्रा सहित आसन

योग-प्राणायाम के जरिये जवानों पर रिसर्च किए जा रहे हैं उनमें शीतली, शीतकारी, चन्द्रबेदी, कपालभाती, सूर्यबेदी, योगनिद्रा आदि अन्य कई प्रकार के आसन हैं। करीब 1 महीने तक चलने वाले इस रिसर्च कार्यक्रम में जवानों के ब्लड शुगर, बीपी, हार्ट टेस्ट के डाटा लिए गए थे। एक माह बाद जवानों के पोस्ट डाटा वैज्ञानिकों की ओर से लिए जाएंगे तथा देखा जाएगा कि गर्मी की स्थितियों में जवान को इस योग-प्राणायाम मॉड्यूल से कितना फायदा हो रहा है।